भारत सरकार

खान मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 965

दिनांक 08.02.2023 को उत्तर देने के लिए

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा भूकंप संबंधी अध्ययन

965. श्री गोपाल शेट्टी:

क्या **खान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विशेष रूप से गुजरात में विनाशकारी भूकंप के बाद देश में भूकंप आने की स्थिति में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के संबंध में कोई अध्ययन कराया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उपरोक्त उद्देश्य के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के लिए प्रदान की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने दुनिया भर के विशेषज्ञों की सहायता मांगी है; और

(ङ) यदि नहीं, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

खान, कोयला एवं संसदीय कार्य मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) और (ख): जी हां। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण [जीएसआई] देश के विभिन्न भूकंपीय क्षेत्रों में स्थित महत्वपूर्ण भारतीय शहरों और शहरी समूहों में भूगर्भीय, भूकंपीय, भूभौतिकीय और भू-तकनीकी जांच के माध्यम से स्तर-बी (1:25,000 पैमाने) व्यवस्थित माइक्रोजोनेशन अध्ययन कराता है।

कार्य सत्र [एफएस] 2000-01 से एफएस-2021-22 तक भारत भर में कुल 54 शहरों / शहरी समूहों को भूकंपीय माइक्रोज़ोनेशन अध्ययनों से कवर किया गया है।

(ग) : जीएसआई को अन्य केंद्रीय व्यय/स्थापना व्यय, भारत सरकार के तहत सभी गतिविधियों के निष्पादन के लिए खान मंत्रालय से बजट अनुदान प्राप्त होता है। भूकंपीय अध्ययन सहित इन सभी गतिविधियों के निष्पादन के लिए 'विशिष्ट जांच' मद के तहत निधि आवंटित की जाती है। पिछले पांच वर्षों और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान जीएसआई को प्रदान की गई निधियों का विवरण इस प्रकार है:

वित्त वर्ष	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
अनुदान (लाख में)	188.00	190.00	200.00	190.00	300.00	300.00

(घ) और (ङ): जीएसआई द्वारा भूकंपीय माइक्रोजोनेशन के मानक दिशानिर्देश और व्यवस्थित पद्धति का पालन किया जाता है और इसे विषय की उन्नत वैज्ञानिक समझ के अनुसार समय-समय पर अद्यतन किया जाता है।

*****